महत्वपूर्ण एवं खास

पीएचसी केन्द्र रामभांठा में ब्लड डोनेशन कैम्प 16 नवम्बर को

रायगढ़ । कलेक्टर भीम सिंह द्वारा सभी विकासखण्डों में ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, जिला रायगढ़ अंतर्गत संचालित हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर/शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य एवं जच्चा-बच्चा केन्द्र, रामभांठा में 16 नवम्बर 2021 को प्रातः10 बजे से ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति के वारिसानों को सहायता राशि स्वीकृत

रायगढ़ । धरमजयगढ़ अनुविभाग अंतर्गत तीन व्यक्तियों की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर एसडीएम धरमजयगढ़ द्वारा मृतक के नजदीकी वारिसानों को 25-25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धरमजयगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील धरमजयगढ़ के डोंगाभौना निवासी यशवंत कुमार राठिया की 23 अगस्त 2020 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनकी पत्नी को 25 हजार रुपये, नागदरहा के मनुराम राठिया की 12 जून 2021 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनकी पत्नी को 25 हजार रुपये तथा सोहनपुर निवासी जगदीश यादव की 11 मई 2021 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके पिता को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

धान से भरी ट्रक अनियंत्रित होकर पलटी, ड्राइव को लगी चोट

कांकेर (आरएनएस)। जिले के ग्राम माकडी खुना के पास भानुप्रतापपुर जाने वाले मार्ग में धान से भरी ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गई है। हादसे में ट्रक चालक को हल्की चोटें आई हैं, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल दाखिल किया गया है। बताया जा रहा है कि ओवरलोड होने की वजह से ट्रक का ड्राइवर मोड के पास गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रख पाया और दुर्घटना का शिकार हो गया। ट्रक में धान भरकर नारायणपुर से कांकेर के दशपुर राइस मिल ले जाया जा रहा था।

एक ही परिवार के पांच सदस्य मिले कोरोना पॉजिटिव, कंटेनमेंट जोन घोषित

बलौदाबाजार (आरएनएस)। जिले में एक बार फिर कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। जिसमें भाटापीरा क्षेत्र में 7 और सिमगा में 1 कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई है। भाटापारा के संत रविदास वार्ड में रहने वाले एक ही परिवार के पांच सदस्यों को कोरोना से संक्रमित हुए है। बताया जाता है कि अभी वे कुछ दिन पूर्व सपरिवार घूमने गंगरेल बांध गए थे। वहां से आने के बाद सभी को सर्दी-खांसी हो गया। कोविड टेस्ट कराने पर सभी पॉजिटिव पाए गए। संक्रमित होने के बाद सभी को होम आइसोलेशन में रखा गया है। जिसमें से एक को दोनों डोज और बाकी चार को सिंगल डोज वैक्सीन लग चुका है। स्थिति को देखते हुए कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है।

स्पेशल ट्रेनों का परिचालन अपने नियमित नंबर एवं नियमित किराये के साथ किया जाएगा

रायपुर (आरएनएस)। कोरोनाकाल के दौरान रेल यात्रियों को राहत देने रेलवे के द्वारा कुछ महत्वपूर्ण ट्रेनों को स्पेशल नंबर के साथ कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए शुरू किया गया था। इन स्पेशल ट्रेनों में मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के साथ-साथ हॉलीडे स्पेशल ट्रेनें सम्मिलित है, जिनमें स्पेशल ट्रेनों के किराया लागू है। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी किए गए नए दिशा-निर्देश के अनुसार स्पेशल ट्रेनों के रूप में परिचालित की जा रही सभी मेल/एक्सप्रेस एवं हॉलीडे स्पेशल ट्रेनें अब अपने नियमित ट्रेन नंबरों एवं नियमित किराये के साथ परिचालित की जाएंगी । इसके साथ ही इन ट्रेनों में कोविड के प्रसार की रोकथाम के लिए जारी किए गए दिशा-निर्देशों का पालन करना यथावत रहेगा साथ ही मेल/एक्स. ट्रेनों के सामान्य श्रेणी के सीटों का आरक्षण भी जारी रहेगा।

फिर बढ़ने लगा कोरोना संक्रमण, प्रदेश में 36 संक्रमित मिले

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। 13 अक्टूबर को जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार बीते 24 घंटे में 16 नए मरीज मिलने से हड़कंप मच गया। बता दें ?कि राजधानी में इतनी 2 अगस्त के बाद पहली बार इतनी संख्या में मरीजों की पुष्टि हुई। वहीं अन्य जिलों में मरीजों की संख्या 3 से ज्यादा नहीं है। शनिवार को प्रदेशभर में 36 नए मरीज मिले।

आजीविका के साधनों की मजबूती और जनता के हाथ में आर्थिक ताकत छत्तीसगढ़ के विकास मॉडल का आधार-मुख्यमंत्री बघेल

» गांवों की खुशहाली छत्तीसगढ़ मॉडल का पैमाना

» मुख्यमंत्री मासिक रेडियोवार्ता लोकवाणी की 23वीं कड़ी में आम जनता से हुए रूबरू

» उद्यमिता और जनसशक्तिकरण का छत्तीसगढ़ मॉडल विषय पर की चर्चा

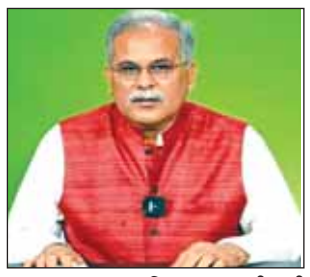

रायगढ़ । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपनी मासिक रेडियोवार्ता लोकवाणी की 23वीं कड़ी में 'उद्यमिता और जनसशक्तिकरण का छत्तीसगढ़ मॉडल' विषय पर प्रदेशवासियों से चर्चा की। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर प्रसारित इस कड़ी की शुरूआत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित नेहरू को बच्चों से बहुत प्यार था। पंडित नेहरू का जन्म दिवस बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे उन्हें चाचा नेहरू कहकर पुकारते हैं। वे देश की नई पीढ़ी को अपने विश्वास की छत्रछाया में पनपते देखना चाहते थे। पंडित नेहरू को नई पीढ़ी पर अटूट भरोसा था।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं चाहूंगा कि आप लोग पंडित नेहरू की जीवनी और उनके कार्यों के बारे में पढ़ें, जानें और उन्हें अपने जीवन में उतारने की कोशिश करें। पंडित नेहरू ने नये और आधुनिक भारत की नींव रखी, उन्होंने भारी कल-कारखानों, बांध, विज्ञान और तकनीक की शिक्षा के लिए आधुनिक संस्थानों की स्थापना की। आज इन्हीं संस्थाओं में हमारे देश के नौनिहालों का भविष्य संवर रहा है और देश तथा दुनिया को बड़े-बड़े डॉक्टर, इंजीनियर और विशेषज्ञ मिल रहे हैं।

योजनाओं के जरिए किसानों, वन आश्रितों, मजदूरों, महिला समूहों, युवाओं की जेब में पहुंचे 80 हजार करोड़ रूपए- मुख्यमंत्री ने लोकवाणी में उद्यमिता और जनसशक्तिकरण का छत्तीसगढ़ मॉडल विषय पर कहा कि हमने आजीविका को मजबूत करने और जनता के हाथों में स्वाभिमान से लेकर आर्थिक ताकत सौंपने की जो रणनीति अपनाई, वही छत्तीसगढ़ मॉडल के रूप में हमारी पहचान बनी है। हमने दिखावटी विकास की दौड़ से अपने आपको अलग रखा और बुनियादी बातों पर ध्यान दिया, जिससे प्रदेश में आजीविका और जीवन स्तर उन्नयन के स्थाई साधनों का निर्माण हो रहा है। शुरुआती मंदी का समय रहा हो या बाद में कोविड के लॉकडाउन का संकट, हमने विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के जरिए किसानों, वन आश्रितों, मजदूरों, महिला समूहों और युवाओं की जेब में जो 80 हजार करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से डाले उस राशि को हमारे भाइयों-बहनों और युवा साथियों ने तिजोरी में बंद करके नहीं रखा बल्कि उससे नए-नए काम किए, अपनी जरूरत की खरीदी की। इस तरह आप सबने मिलकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की तरलता को बनाए रखा। इस तरह से प्रदेश में नए-नए तरह के काम-धंधे भी चले और परंपरागत कौशल, परंपरागत रोजगार के अवसरों को नई दिशा भी मिली।

छत्तीसगढ़ में बदल रही खेती-किसानी की तस्वीर- मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि गांव खुशहाल होंगे तभी शहर में समृद्धि आएगी। छत्तीसगढ़ के विकास का यही रास्ता है। छत्तीसगढ़ मॉडल की सफलता का यही पैमाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विकास के परम्परागत मॉडल, पंडित नेहरू के आधुनिक मॉडल,श्रीमती इंदिरा गांधी के दृढ़ इच्छाशक्ति के मॉडल और राजीव गांधी के टेक्नॉलाजी से बदलाव के मॉडल के प्रेरणा लेकर छत्तीसगढ़ में खेती-किसानी की तस्वीर बदलने, गांवों में नए संसाधनों से, नई तकनीक से खेती करने और परंपरागत आजीविका में सुधार की जो पहल की गई उनको सफलता मिली अब गांव-गांव से खेती के नए तरीकों की खबरें आ रही हैं।

छेरछेरा पुन्नी-शाकंभरी जयंती पर अवकाश घोषित- मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने छत्तीसगढ़िया अभिमान और स्वाभिमान को पुनर्जीवित करने के लिए कदम उठाए। हरेली, तीजा-पोरा, कर्मा जयंती, विश्व आदिवासी दिवस और छठ पूजा पर सार्वजनिक अवकाश से जनजीवन में सकारात्मक संदेश पहुंचा है। छत्तीसगढ़ आज भी कृषि की बहुलता वाला प्रदेश है, यहां की माटी में नई फसल के साथ दान का महत्व भी समाहित है, इसलिए छेरछेरा पुन्नी-शाकंभरी जयंती के लिए अवकाश की घोषणा की गई है। उन्होंने लोकवाणी में देवउठनी एकादशी, नामदेव जयंती, गुरुनानक जयंती, श्रीमती इंदिरा गांधी जयंती, डॉ.सैय्यदना साहब की जयंती पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

शहर के बीयर बारों में पुलिस ने मारा छापा

कोरबा। शहर के बीयर बारों में पुलिस ने छापा मारा। दरअसल पुलिस हुक्का पिलाने की जांच करने पहुंची थी। हालांकि किसी भी बार में इस तरह का मामला नहीं पकड़ाया। जिले में पुलिस द्वारा अवैध कारोबार के खिलाफकी जा रही कार्रवाई डीजीपी बदलने के बाद और तेज हो गई है।

शनिवार को पहली बार शहर में संचालित सभी बीयर बार व क्लब में पुलिस की अलग.अलग टीमों ने एक साथ छापा मारा। इससे बार संचालकों में हड़कंप मच गया। सिटी कोतवाली प्रभारी सनत सोनवानी द्वारा रामपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मयंक मिश्राए सीएसईबी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आशीष सिंह व अन्य स्टाफ के साथ उक्त जांच की गईए लेकिन किसी भी बार में हुक्का पिलाने का मामला नहीं मिला। न ही वहां हुक्का संबंधित कोई पदार्थ मिला।

दरअसल शहर में कुछ वर्ष पहले हुक्का बार शुरू हुए थेए लेकिन पुलिस ने वहां नाबालिगों के पहुंचने को गंभीरता से लेते हुए बंद करा दिया था। सीएसपी कोरबा योगेश साहू के मुताबिक वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सनत सोनवानी को निर्देशित किया गया कि शहर में कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत संचालित सभी बार और क्लब का औचक निरीक्षण करते हुए यदि कोरबा शहर में संचालित किसी बार में हुक्का पिलाते हुए पाया जाता है तो उस पर कोटपा अधिनियम के तहत प्रभावी कार्रवाई करेंए लेकिन ऐसा मामला नहीं मिला। आगे भी इस तरह से जांच जारी रहेगी।

बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ाई, फसल हुआ बर्बाद

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। प्रदेश के कई इलाको में बीते 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। जिसके चलते फसलों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं बेमौसम बरसात से तापमान में भारी गिरावट आई है।

बारिश और हवाओं के चलते ठंड में बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग की माने तो प्रदेश में 18 और 19 नवंबर को कई इलाकों में बारिश के आसार है। वहीं बारिश के बाद ठंड में बढ़ोतरी होगी। शनिवार को हुई बारिश के बाद प्रदेश में सबसे अधिकतम तापमान दुर्ग में 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई। वहीं सबसे कम अम्बिकापुर 14.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। आने वाले तीन दिनों में तापमान में और कमी आने के आसार है। बदले मौसम के मिजाज के चले पत्थलगांव में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। बारिश के चलते किसानों के धान और टमाटर की फसल बर्बाद हो गया। फसल नुकसान होने से किसानों में कर्ज पटाने की चिंता बढ़ गई है।

मौसम वैज्ञानिक एचपी चन्द्रा के मुताबिक एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा थाईलैंड और उसके आसपास दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर स्थित है। इसके प्रभाव से एक निम्न दाब का क्षेत्र बनने की संभावना है। साथ ही ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए प्रबल होकर और अवदाब के रूप में उत्तरी अंडमान सागर और उससे लगे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर 15 नवंबर को पहुंचने की संभावना है। यह पश्चिम-उत्तर- पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए और प्रबल होकर आंध्रप्रदेश के तट पर उसके अगले 48 घंटे में पहुंचने की संभावना है, जिसके प्रभाव से बस्तर में 18 और 19 नवंबर को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

जवाहरलाल नेहरू की जयंती जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई

रायगढ़ (आरएनएस)। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जयंती पूरे देश में 'बाल दिवस' के रूप में मनाई जाती है। पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। 15 साल की उम्र में जवाहरलाल नेहरू इंग्लैंड पढ़ने चले गए। वहां हैरो कॉलेज में दो साल रहने के बाद, कैंब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि हासिल की और सन् 1912 में वे इंग्लैंड से लौटे। सन् 1916 में वे पहली बार महात्मा गांधी से मिले। 1919 में वे इलाहाबाद होम रूल के सचिव बने।

इसी संदर्भ में रायगढ़ जिला कांग्रेस कार्यालय में भी जवाहरलाल नेहरू की जयंती मनाने के लिए सभी कांग्रेसी एकत्रित हुए। जहां जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शुक्ला और रायगढ़ महापौर जानकी काटजू के उपस्थिति में उनकी जयंती मनाई गई।

सर्व प्रथम जिला अध्यक्ष अनिल शुक्ला एवं महापौर जानकी काटजू ने जवाहरलाल नेहरू के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। ततपश्चात सभी कांग्रेसियों ने एक-एक कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर जवाहरलाल नेहरू को नमन किया। आज़ाद भारत के सपनों की आधुनिक बुनियाद इनके कार्यकाल की देन है।

उसके पश्चात सभी उपस्थित कांग्रेसियों को जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शुक्ला ने सम्बोधित करते हुए भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के जीवन के उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। जवाहरलाल नेहरू ने किस प्रकार महात्मा गांधी के साथ मिलकर भारत को आज़ाद करवाने के लिए भीड़ गए। जबकि वे विदेशों में रहकर अच्छी खासी जीवन जी सकते थे लेकिन उन्होंने अपने वतन के लिए संघर्ष करने का मन बनाया। और उसमें सफल भी हुए। कई वर्षों तक जेल में रहे। आज़ाद भारत के पहले प्रधानमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। फिर उन्होंने आधुनिक भारत के सपनों की बुनियाद को बनाने का बीड़ा उठाया। इसके फलस्वरूप एक से एक बढ़कर सरकारी संस्थान उनके कार्यकाल में बने। आज हम सभी उनके कार्यकाल में बने स्कूल, कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं और उनके द्वारा शुरू किए गए सरकारी संस्थानों में लोग नियमित सेवा दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ के लिए भी उन्होंने कई काम किए हैं। सबसे बड़ा उदाहरण भिलाई स्टील प्लांट है। आज उनके जयंती पर मैं अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन करता हूँ। बच्चों में खासा लोकप्रियता प्राप्त का ही फल है उनकी जयंती बालदिवस के रूप में मनाते हैं।

रायगढ़ की महापौर जानकी काटजू ने भी अपने उद्बोधन में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के जीवन पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के साथ साथ आज़ाद भारत के पहले प्रधानमंत्री भी बने। उसके बावजूद उनको बच्चों से बहुत ज्यादा लगाव था। जिससे उनका नाम ही चाचा नेहरू पड़ गया। और उनके जयंती 14 नवंबर को बालदिवस के रूप में मनाते हैं। आज भी हम लोग सभी उनकी जयंती को मनाने के लिए ही एकत्रित हुए हैं। मैं उन्हें अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करती हूँ। और उन्हें नमन करती हूँ।

आज के कार्यक्रम में मुख्यरूप से जिला कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष दीपक पाण्डेय,असरफ खान, प्रभारी महामंत्री शाखा यादव,स्नेहलता शर्मा,संतोष बोहिदार,ब्लाक अध्यक्षद्वय रामलाल पटेल,विकास ठेठवार,मदन महंत,नरेश जायसवाल,राजेन्द्र पाण्डेय,बजरंग अग्रवाल,वकील अहमद सिद्दीकी,प्रदीप गर्ग,सुदेश लाला,संतोष चौहान,विवेक सिंघानियां,लक्ष्मण महिलाने आदि कांग्रेसी उपास्तिथ थे

डीएसपी से जमीन सौदा करने के नाम पर तीन लाख रुपये की ठगी, मामला दर्ज

बिलासपुर (आरएनएस)। एनआईए के एक डीएसपी के साथ जमीन का सौदा करने के नाम पर तीन लाख रुपये की ठगी हो गई। सिविल लाइन पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पामगढ़ के झूलन ग्राम के निवासी अमरनाथ आगरे रायपुर एनआईए में डीएसपी हैं। 3 साल पहले 25 जून 2018 को मस्तूरी के हरदी निवासी देवचरण ने भारतीय नगर बिलासपुर में स्थित 5 डिसमिल जमीन बेचने का उनसे सौदा किया। उसने जमीन से संबंधित कागजात डीएसपी को दिखाए और गवाहों के साथ इकरारनामा किया। उसने पहले अग्रिम 51 हजार रुपये लिये। अगले दिन उसने 2.50 लाख और ले लिए। कुल 3 लाख 1 हजार रुपये लेने के बाद इसी साल 18 अप्रैल को मौके पर सीमांकन कराने ले गया। वहां पता चला कि उस खसरा नंबर की जमीन वहां मौजूद ही नहीं है। आरोपी द्वारा पैसे नहीं लौटाए जाने पर डीएसपी ने उसके खिलाफ सिविल लाइन थाने में एफ आई आर दर्ज कराई। पुलिस धारा 420 के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई कर रही है।

छत्तीसगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप विद्यालय होंगे प्रारंभ : भूपेश बघेल

» तीन वर्ष से अधिक आयु समूह के छोटे बच्चों के लिए संचालित होगी बालवाड़ी

» कक्षा नौवीं से 12वीं के विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी रोजगारोन्मुखी शिक्षा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन बालदिवस के अवसर पर आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय शिक्षा समागम का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के स्कूली शिक्षा का विजन डाक्यूमेंट 2030 के तहत तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की तर्ज पर गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप विद्यालय संचालित किए जाएंगे। तीन वर्ष से अधिक आयु समूह के छोटे बच्चों के लिए बालवाड़ी का संचालन कर उन्हें पूर्व प्राथमिक शिक्षा प्रदान की जाएगी और कक्षा नौवीं से 12वीं के विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान की जाएगी ताकि बच्चे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ किसी विधा विशेष में हुनर अर्जित कर सकें।

बघेल ने कहा कि इस वर्ष हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए हाई स्कूल की शिक्षा के साथ कुछ स्कूलों में चुनिंदा ट्रेडों में आईटीआई के प्रशिक्षण की शुरूआत कर दी गई है। इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को 12वीं की परीक्षा पास करने पर 12वीं के साथ आईटीआई का प्रमाण पत्र भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रारंभ किए गए इस पाठ्यक्रम में 8000 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर और पंडित नेहरू के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने की। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए पूर्व केन्द्रीय मंत्री शशि थरूर और दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति दिनेश सिंह ने वीडियो संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित 'विजन 2030' पुस्तिका, 'छत्तीसगढ़ की विभूतियां', 'छत्तीसगढ़ राजगीत के कैलेण्डर', 'स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल और पढ़ई तुंहर दुआर योजना की कॉफी टेबल बुक', 'स्कूलिंग फॉर एक्सीलेंस' का विमोचन किया।

बघेल ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में पंडित जवाहरलाल नेहरू के योगदान को जब भी याद किया जाएगा, तब नेहरू जी द्वारा विशेष रूप से आर्थिक और शैक्षणिक क्षेत्र में की गई शुरूआत, निर्मित की गई महत्वपूर्ण अधोसंरचनाओं को हमेशा याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेहरू जी को बच्चों से विशेष लगाव था। वे कहा करते थे कि बच्चों का लालन-पालन बड़े ध्यान और प्यार से करना चाहिए, क्योंकि वे देश का भविष्य है।

मुख्यमंत्री ने राजधानी रायपुर में आज से शुरू हुए राष्ट्रीय शिक्षा समागम में शामिल हो रहे शिक्षाविदों, विद्वानों, शिक्षकों और विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए कहा कि इस दो दिवसीय शिक्षा समागम के दौरान पिछले 75वर्षों में बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में क्या कार्य किए गए और उनमें क्या कमी रह गई। बच्चों की शिक्षा के लिए और बेहतर क्या किया जा सकता है, हम किस दिशा में आगे बढ़े, इस पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

इस समागम में 27 राज्यों से आए प्रतिनिधियों से छत्तीसगढ़ को भी काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत में प्रारंभ से ही शिक्षा का विशेष महत्व रहा है। हमारे ऋषि-मुनियों और मनीषियों का शिक्षा के प्रति विशेष आग्रह रहा। उन्होंने महान समाज सुधारक राजा राममोहन राय को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारत में अंग्रेजी और विज्ञान की शिक्षा प्रारंभ करने के लिए आंदोलन शुरू किया था, जिससे भारतीय विद्यार्थी दुनिया के सामने आत्मविश्वास के साथ खड़े हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी ने बुनियादी शिक्षा की शुरूआत की थी और पंडित नेहरू ने अनेक शिक्षा संस्थानों की शुरूआत की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में पूरी दुनिया प्रभावित हुई थी। इस दौर में छत्तीसगढ़ में डिजिटल शिक्षा की शुरूआत की गई। कोरोना संकट के दौरान अनेक चुनौतियों के बावजूद शिक्षकों ने भी अपने शैक्षणिक दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया। छत्तीसगढ़ में छाते वाले गुरूजी, घंटी वाले गुरूजी और मोटर सायकल वाले गुरूजी की कहानियां देखने को मिली। कोरोना काल में शिक्षकों ने बच्चों की पढ़ाई को अवरूद्ध नहीं होने दिया। राज्य में 75 हजार से अधिक शिक्षकों ने विभिन्न विषयों पर रिकार्डिंग कर बच्चों तक अध्ययन सामग्री पहुंचाई, जिसका लाभ छत्तीसगढ़ के साथ-साथ अन्य प्रदेश के बच्चों ने भी लिया। जहां पर नेटवर्क की समस्या थी, वहां पर ऑफ्लाईन शिक्षा के लिए ब्लूटूथ (बुलटू के बोल) का उपयोग किया गया। लॉकडाउन में जब बच्चे घर में थे, तब उन्हें खेल-खेल में शिक्षा देने के लिए नवाचार प्रारंभ किया गया, जिसमें बच्चों के पालकों को भी शामिल किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब बच्चों को भी अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल राज्य सरकार की सबसे लोकप्रिय योजनाओं में है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480